



संपादकीय

बाबा की हत्या के सवाल

महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री, तान बार के विधायक, वारछड़ा राजनन्तर और मुंबई की जिंदगी के एक अति विशिष्ट चेहरा बाबा सिद्धीकी की सरेआम हत्या कर दी गई। यह ख्यालनाक और चिंताजनक बारादात 'दशहरा पवं' की शाम में ही की गई। त्योहार की आतिशाखाजियाँ चलाई जा रही थीं और सिद्धीकी को 3-4 गोलियां छाती में मारी गईं और जिंदगी थम कर रह गईं। बाबा सिद्धीकी ने भी पुष्टि की कि बाबा अब मृत हैं। मुंबई में यह अपराध एक लंबे अंतराल के बाद हआ है। जब अंडरवल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसका गिरोह पूरी तरह सक्रिय था, तब मुंबई सुलगा रहता था। विस्फोट होते रहते थे। कल्पना करना सामान्य बात थी, लेकिन दाऊद कमजोर होकर अस्त होने लगा और स

त्योहार को आतंशबाजिया चलाइ
जा रही थीं। उन्हीं के शोर में हत्यारों
की गोलीबारी की आवाज गुम होकर
रह गई। बाबा सिद्धीकी को ३-४
गोलियां छाती में मारी गई और
जिंदगी थम कर रह गई। अस्पताल
ने भी पुष्टि की कि बाबा अब मृत हैं।
मुंबई में यह अपराध एक लंबे
अंतराल के बाद हुआ है। जब
अंडरवल्ड डॉन दाकुद इब्राहिम और
उसका गिरोह पूरी तरह सक्रिय था,
तब मुंबई सुलगा रहता था। विस्फोट
होते रहते थे। कत्ल करना सामान्य
बात थी, लेकिन दाकुद कमज़ोर
होकर अस्त होने लगा और
तत्कालीन अपराध की दुनिया के
सरगना या तो दिवंगत हो चुके थे
अथवा जेल में सजा काट रहे हैं,
लिहाजा मुंबई अपेक्षाकृत शांत और
स्थिर होने लगी थी। अब बाबा
सिद्धीकी जैसे राजनेता और

रसूखदार आदमी की सरेआम जिस तरह हत्या की गई है, वह महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के लिए एक डरा और कंपा देने वाली चेतावनी है। चुनाव नंवरब में कराए जा सकते हैं। चुनाव आयोग के कार्यक्रम की घोषणा की प्रतीक्षा है। आखिर बाबा की हत्या क्यों की गई? अब नए गैंगस्टर लॉरेस बिश्नोई को 'नया डॉन' माना जा रहा है।

आदि असंख्य चेहरे होंगे, जो बाबा के करीबी होंगे। उनके साथ मित्रता हांगी या साथ काम किया होगा। बॉलीवुड-ऐसी सामाजिक दुनिया है, जिसमें असंख्य रिश्ते पलते हैं। गैंगस्टर किस-किस पर सवाल चर्खा कर उसकी हत्या करेंगे? बाबा की हत्या के पीछे विल्डर लांबी भी हो सकती है। पुलिस का संदेह उस पर भी गहरा है महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की दिलचर्सी 'धारावी पुनः विकास परियोजना' में रही है। उनका मानना है कि यह योजना उनकी दोबारा ताजपोशी कर सकती है। बदरहाल पुलिस की जांच से यह जरूर साफ होना चाहिए, कि हत्याकांड के पीछे असली सरगना कौन है।

कुछ अलग

गठरी तेरी चोर

साधो! आजकल घाटों पर संतों की भीड़ है। घाट भी संतों के हैं सोचकर भ्रमित होता रहता है कि गठरी में चोर लगा है या गठरी ही चोर है। क्योंकि

और भीड़ भी। इसलिए गठरी चोरी होने की पूरी संभावना है। नहान के लिए जाते बक्त जरा ध्यान रखें कि दुबकी लगाते समय कपड़े सही-सत्रात्म रहें। नहीं तो हो सकता है कि आपको कच्छे में ही घर वापस आना पड़े। किन्तु कच्छा फटा होने पर आपको मुश्किलें बढ़ सकती हैं। संसार की नजर आपके कपड़ों पर रहती है। शरीर पर कपड़े न हों तो कोई सोशल मीडियावार आपका वीडियो बना सकता है। पर आत्मा के नंगे होने का वीडियो कोई नहीं बनाता। इस बात की पूरी संभावना है कि वीडियो

बाईंडेन की तरह वस्त्रहीन है। लेकिन आप यह सोचकर करतई खुश न हों कि हमारे देश के नेताओं की आत्मा ढकी हुई है। आजादी के अमृत काल में चल रहे सार्वजनिक नंग नहान के दौर में अब न हमाम की ज़रूरत है और न कपड़ों की। बेशमी ही वस्त्र है। जो जितना बड़ा बेशमी होगा, वह उतना ही बड़ा नेता होगा या सार्वजनिक जीवन में उतना ही सफल व्यक्ति होगा। आत्मा नंगी होने पर लोगों की गठरिया पर हाथ साफ करने में आसानी रहती है। चोरों के कच्छा गिरोह के बारे में आपने सुना होगा। चोरों का यह गिरोह अपने शरीर पर तेल मल कर चोरी करने निकलता है। ऐसे में उन्हें पकड़ना मुश्किल होता है क्योंकि फिसल कर चोर आसानी से भाग जाता है। लेकिन आत्मा नंगी हो तो शरीर पर तेल लगाने की ज़रूरत भी नहीं पड़ती। बस आपको वे तमाम हिमतें आनी चाहिए जो आपको सत्ता के केन्द्र में बनाए रखें। इसके लिए यह भी ज़रूरी नहीं कि आप मंत्री या नेता हों। तरीके पता हों तो चाहे कोई मंत्री हो या संतरी, उसे पता होता है कि गठरी चुरानी कैसे है और रंगे हाथ पकड़े जाने के बावजूद अपने आपको संत कैसे सावित

5

8

कल घाटों पर संतों की सोचकर भ्रमित होता

भाड़ ही बाट मा सता क ह
और भौड़ भी। इसलिए गठरी चोरी होने की
पूरी संभावना है। नहान के लिए जाते बक्त
जरा ध्यान रखें कि डुबकी लगाते समय
कपड़े सही-सलामत रहें। नहीं तो हो
सकत है कि आपको कच्छे में ही घर वापस
आना पड़े। किन्तु कच्छा फटा होने पर
आपको मुश्किलें बढ़ सकती हैं। संसार की
नजर आपके कपड़ों पर रहती है। शरीर पर
कपड़े न हों तो कोई सोशल मीडियावार
आपका वीडियो बना सकता है। पर आत्मा
के नंगे होने का वीडियो कोई नहीं बनाता।
इस बात की पूरी संभावना है कि वीडियो
बनाने वाले की आत्मा भी नेतन्याहू या
वाईडेन की तरह वस्त्रहीन हो। लेकिन आप
यह सोचकर करतई खुश न हों कि हमारे देश
के नेताओं की आत्मा ढकी हुई है। आजादी
के अमृत काल में चल रहे सार्वजनिक नंग
नहान के दौर में अब न हमाम की ज़रूरत
है और न कपड़ों की। बेशर्मी ही वस्त्र है।
जो जितना बड़ा बेशर्म होगा, वह उतना ही
बड़ा नेता होगा या सार्वजनिक जीवन में
उतना ही सफल व्यक्ति होगा। आत्मा नंगी
होने पर लोगों की गठरियां पर हाथ साफ
चार लगा ही या गठरा ही चार ह। क्याके
गठरी चोरी करने का आरोपी या तो मंत्री है
या फिर नेता, अफसर, अभिनेता, संतरी,
बिजनेसमैन या कोई बड़ी तोप। ऐसे भले
लोग तो देश के सेवक होते हैं या किर
चौकीदार। अतः उन पर रसी भर भी शक
नहीं किया जा सकता। हाँ, गठरी पर
अवश्य संदेह किया जा सकता है। ऐसे में
आम आदमी सिर खुलाजे हुए सोचता रहता
है कि गठरी ही चोर होगी। ये सभी तो भले
आदमी हैं। कबीर ने पता नहीं क्या सोच
कर कहा था कि 'तेरी गठरी में लागा चोर,
मुसाफिर जाग जरा।' कबीर आज होते तो
अपने शब्दों को बदल कर कहते, 'गठरी
तेरी चोर है, या गठरी में चोर। गाफिल तू
सोया हुआ, बाहर-भीतर चोर।' नंगी
आत्माओं ने अपनी सुविधा के हिसाब से
सिस्टम को गढ़ी बना दिया है। जब उनका
जी करता है सिस्टम को चुरा लेते हैं या
उसमें सेंध मार कर चोरी कर लेते हैं। अब
तो सेंध मारने की ज़रूरत भी नहीं पड़ती।
बस सिस्टम के जादू से इंवीएम में ऑकड़े
बदलते हैं। और सरकार बन जाती है। सभी
जादूगर हैं। लोकतंत्र के तीन स्तरों में

जादूगर बढ़ हआ चाथ स्तम्भ म बिवृषक,
जो सिस्टम की किसी भी गड़बड़ को कुतक
के हाजमोले से पचा डालते हैं। भेड़ों को
अपनी मैं-मैं में पता ही नहीं चलता कि
किस कोने में चोर उनकी गठरी पर हाथ
साफ कर गए हैं। आजादी के बाद बड़े
जतनों से रहनुमाओं ने बिखरे गूदड़ों को
इक_1 कर देश की गठरी वांधी थी। सिस्टम
को गठरी के अंदर रखा था। लेकिन अब
गठरी सिस्टम के अंदर आ चुकी है और
गठरी की गांठ नंगी आत्माओं के हाथ है।
ढीली गांठ से गूदड़ बिखरना शरु हो चुके
हैं। मुझे डर है कि गूदड़ों को एक रंग में
रंगने का सपना देखने वाली नंगी आत्माएं
इन गूदड़ों की चिन्दी-चिन्दी न कर दें। खदान

नये जिलों के सृजन की तार्किकता का सवाल

କଣ

तार्किक

विभाजन के समय भारत में जिलों की संख्या सटीक रूप से ज्ञात नहीं है, लेकिन 1951 में सर्वतंत्रता के बाद पहले जनगणना के समय कुल 402 जिले थे जिले 27 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों (यूटी) में फैले हुए थे। नवीनतम आंकड़े के अनुसार, देश में 28 राज्यों केंद्रशासित प्रदेश और 806 जिले हैं। इनमें 5 जिले हाली ही में लद्धाख में जनगणना हो गई हैं—जो कि सबसे नया केंद्रशासित प्रदेश है और जिसकी स्थापना 2019 हुई है। अब इसके जिलों की संख्या से बढ़कर 7 हो गई है।

कहने का न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन'— एक जनसंख्या 41,186 है। आबादी परगना सबसे बड़ा जिला है, जो

जनसंख्या 41,816 है। आवादा के हसाब से उत्तर परगना सबसे बड़ा जिला है, जहां पर 1,00,09,7

नाग बस ह आर कुल क्षेत्रफल 4,994 वर्ग किमी
नवकिस सबसे कम आवादी दिवांग घाटी की है जहां 3,004 निवासी हैं और 9,129 वर्ग किमी क्षेत्रफल
प्रविभाजित लेह जिले की जनसंख्या 1,33,487 है।
क्षेत्रफल 45,110 वर्ग किमी था वर्षों कारगिल
ननसंख्या 1,40,802 और क्षेत्रफल 14,086 वर्ग किमी
था। अब कारगिल से काटकर द्रास और झांस्कार
जला बनाया गया है और लेह को विभाजित कर चांगथांग
जुगा और शाम घाटी नामक जिले बनाए गए हैं। यह सभी
के मूल लद्धाख जिला प्रशासन चलाने के लिए जारी
प्रत्यन्त विशाल था। कारगिल और लेह सांस्कृतिक रूप
प्रभलहड़ा हैं। इस कारण 1979 में कारगिल को एक अलग
जिले के रूप में रखा गया। छोटा किए जाने के बावजूद
नेहे जिला भौगोलिक दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा
जला बना रहा। भारत में नए जिले का निर्माण आम तौर
पर किसी वस्तुनिष्ठ मानदंड की बजाय राजनीतिक मूल
परिणाम होते हैं। मसलन, लद्धाख के मामले
कारगिल से अलग करके एक नया मुस्लिम बहुल जिला
सन्कूँ बनाने के लिए विरोध प्रदर्शन हुए, शायद इसलिए
कि सदियों के दौरान यह इलाका अक्सर कारगिल
कटा रहता है। कारगिल से अलग करके एक नया जिला
बनाने की इस किस्म की मांग झांस्कार के लोगों द्वारा
पूरी तरह सही मानी गई थी। यही बात लेह के सभी हिस्सों जैसे द्रास
विंगथांग, खालत्सी और तुरतुक के बारे में भी कही
नक्ती है। हालांकि, क्या एक जिले का दर्जा देने को मामूली
पीछे महज एक नई प्रशासनिक इकाई बनाने वाली
प्रौद्योगिकी काफी है, जबकि इससे राजकोष पर कानून
विरोधी बोझ पड़ता है। एक नया जिला बनते ही अतिरिक्त
कर्मी, नए कार्यालय और आवासीय भवनों का निर्माण
नहरु हो जाता है। नया जिला आम तौर पर उपर्युक्त
मुच्यालय को अपग्रेड कर बनाया जाता है, साथ
पुलिस अधीक्षक और अन्य जिला-स्तरीय कार्यालय उपर्युक्त
नहायक तंत्र की स्थापना करनी पड़ती है। लेकिन अक्सर
इसा होता नहीं व्योक्त संलग्न कार्यालय बनने में लंबी
बक्त लगता है। कभी-कभी, बजटीय बाधाओं के कारण
सभी विभागीय कार्यालयों के अपेक्षेशन की न तो जरूर
होती है और न ही यह संभव है। मुख्य बिंदु यह है कि न
जिला बनने से जिलाधिकारी को अधिकारों का कोई बदल

एचआरटीसी का मेकअप

पार्सन साल के

का मेक

पचास साल के हमाचल पर्यावरण निगम का बसा म
फिर से जो भरने की कवायद शुरू हुई, जिसका स्वागत करना होगा। योजनाएं महत्वाकांक्षी हैं, फिर भी सोचना यह होगा कि अंततः आटा इतना कैसे बढ़ गया कि आगे बढ़ने के बजाय एचआरटीसी अपने ही पाप नहीं थो पा रहा है। मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों के लंबित मामलों को आसरा देते हुए पचास कारोड़ की अदायगी का वास्तव दिया है, तो इसी परिप्रेक्ष्य में कई अन्य मांगें भी स्वीकार की गईं। बहरहाल एचआरटीसी के रूट पर वालों की फेहरिस्त लंबी होती दिखाई दे रही है, जहां आने वाले समय में पंद्रह सौ इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेंगी, रिकियां भरी जाएंगी तथा लोलो जैसी बसें भी नए मेकअप में सामने आएंगी। कहना न होगा कि हमाचल में सड़क परिवहन की क्षमता, संभावना और आर्थिकी निरंतर बढ़ी है और बढ़ रही है, लेकिन राज्य की देनदारी में एचआरटीसी का फलक हमेशा से नुकसानदायी साबित हुआ। बेशक हर नई सरकार ने जनता की उम्मीदों की एचआरटीसी साबित करते-करते इसके बड़े को हानि का अस्तवल बना दिया, लेकिन हमाचल की आर्थिक यात्रा की यही सहचरी रही है। दरअसल हमाचल निर्माण के हर क्षेत्र में परिवहन निगम की भूमिका इसलिए भी दिखाई देती है, क्योंकि इसका ताल्लुक गांव-देहात से कबाली इलाकों तक रहा। कहना न होगा कि पीडब्ल्यूडी महकमा भी अगर सड़कें बना रहा था, तो उसकी प्रमाणिकता के लिए सर्वप्रथम एचआरटीसी बस ही इसके ऊपर दौड़ी होगी। पर्यटन अगर आज प्रदेश की आर्थिकी को चार चांद लगा रहा है, तो परिवहन निगम के पहियों पर ही प्रदेश प्रारंभिक तौर पर डेस्टिनेशन बना। साक्षरता दर बढ़ाने के लिए कोई बच्चा स्कूल या छात्र कालेज तक पहुंचा, तो सरकारी उद्देश्य को सरकारी बस ने ढोया होगा। ऐसे में अगर पचास साल का सफर अब एक मोटे घाटे में दिखाई दे रहा है, तो यह समाज की बेहतीरी और सरकारों के लक्ष्यों को ढोने का सबव भी है। यह दीगर है कि अब वो आरंभिक दौर नहीं रहा और इस युग की प्रतिस्पर्धा और प्रासंगिकता में परिवहन निगम को अपना वित्तीय संतुलन बनाना पड़ेगा, लेकिन इससे पहले एक बार सरकार को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए इसे वित्तीय घाटे के जंजाल से मुक्त कराने का खास प्रबंध करना होगा ताकि सारा प्रारूप बदले। एचआरटीसी पर हुआ राजनीतिक सफर अगर नहीं रोका गया, तो न कहने का कोई कायदा और न करने की कोई जिरह मुकम्मल होगी। एचआरटीसी की कार्यप्रणाली में बाहरी सुधार तो दिखाई देते हैं, लेकिन आंतरिक दशा सुधारने की ज़रूरत को समझा होगा। कर्मचारियों पर अधिकारियों की संख्या की औसत फिलहाल भारी है और इसी तरह अनावश्यक बस डिपो की शुगारी भी अनावश्यक है। एचआरटीसी को हमाचल का ब्रांड बनकर अंतरराज्यीय बसों का स्तर ऊंचा उठाना है, तो इसके लिए संचालन का दायरा बेहतर करना होगा, जबकि एक मुकाबला निजी बसों से भी रहेगा। हमाचल जिस रफ्तार से पर्यटन राज्य बन रहा है, उसे देखते हुए परिवहन निगम को ट्रैकल एंजेसी के रूप में



माजपा मांडू विधानसभा के कार्यकर्ताओं की हुई बैठक



प्रभात मंत्र संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ भाजपा जिला कार्यालय में, भाजपा मांडू विधानसभा के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में विशेष दिया। सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि भाजपा मांडू विधानसभा में लगातार बेहतर प्रदर्शन करती रही है 2014

कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में पार्टी द्वारा कार्यकर्ताओं के भावना को दर्शकर्ता कर लिए गए नियंत्रण का एक स्वर में विशेष दिया। सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि भाजपा मांडू विधानसभा में लगातार मांडू विधानसभा के सभी प्रमुख

महिलाओं के साथ-साथ युवा और बुजुर्गों का आजसू पार्टी के प्रति विश्वास बढ़ा है : सुनिता चौधरी

प्रभात मंत्र संवाददाता

रामगढ़ : आजसू पार्टी रामगढ़ विधायक सुनिता चौधरी शुक्रवार को रामगढ़ शहर में जनसंकर के दौरान रामगढ़ पंचवटी स्थित जीएस कॉफ्टवर्स में आर्या स्लिमिंग थैरेपी वा सैलून में जावेद हबीब की संचालक शिक्षाविद्या प्रिया और आयन कायरूटर के संचालक राकेश आयन संयुक्त रूप से आज उनकी अवार्ड में दर्जनों ने पार्टी की सदस्यता ग्रण्ण की द्वारा यौके पर सुनीता चौधरी ने कहा कि सिंचावी प्रिया, राकेश आयन और उनकी टीम की जुड़ी से पार्टी को लाभ होगी द्वारा खांखड़ की जनता बदलाव चाह रहे हैं इस बारे जारीखंड में एनडीए गठबंधन की स्वतंत्र बनेगी।



महिलाओं का विश्वास आजसू पार्टी में बढ़ी जा रही है महिलाएं के साथ साथ युवा, बुजुर्ग सभी का साथ मिल रही है। निश्चित ही रामगढ़ विधानसभा की देव तुल्य जनता विकाश के प्रति अपना मतदान करेंगे द्वारा यौके पर सभी से अपील किया कि आप सभी अपने अगल-बगल

महिलाओं का विश्वास आजसू पार्टी में बढ़ी जा रही है महिलाएं के साथ साथ युवा, बुजुर्ग सभी का साथ मिल रही है। निश्चित ही रामगढ़ विधानसभा की देव तुल्य जनता विकाश के प्रति अपना मतदान करेंगे द्वारा यौके पर सभी से अपील किया कि आप सभी अपने अगल-बगल



स्टर्लिंग ने भारत के इस्पात शहर बोकारो में एक विजनेस होटल खोलकर झारखंड में अपनी पारी शुरू की है।



राचो(प्रभात मंत्र संवाददाता): भारत के सबसे प्रमुख लैजर हॉस्पिटेलिटी बैंड स्टर्लिंग हॉटेल रेसोर्ट्स ने स्टर्लिंग स्टार्टर बोकारो के उद्घाटन के साथ झारखंड में प्रवेश की घोषणा की है। सेल सिटी, बोकारो में स्थित यह होटल शहर के महत्वपूर्ण कॉर्पोरेट और अन्य उद्घेष्यीय स्थलों के निकट है। यह बोकारो के मध्य व्यावसायिक क्षेत्रों के साथ-साथ झारखंड के अन्य औद्योगिक क्षेत्रों जैसे रांची, धनबाद और सिंधंरां के लिए एक कड़ी की रूप में काम करेगा। स्टर्लिंग देश की इस्पात शहर में पुरुष्वृत हॉस्पिटेलिटी बैंड लाने वाला पैन-इंडिया हॉस्पिटेलिटी बैंड है। यह होटल 200 वर्ग फुट से 730 वर्ग फुट तक फैले करते हैं एवं सुट्टर्स को उपलब्ध करता है जो सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं। इस प्रकार, यह बोकारो में कम समय या लंबी अवधि के लिए अपने वाले मेहमानों के लिए आदर्श साहित होगा। सेल सिटी में एयरपोर्ट के नजदीक स्थित होगा तो इन्हें एवं कॉर्पोरेट से लिए उपयुक्त मौजिल के तौर पर अपनी पहचान बनाया। यह होटल शहर में सबसे बड़े क्षेत्रफल में इंडोर बैंकेटिंग वेन्यू, कॉन्फ्रेंस, एजेंशियल और सामाजिक समारोहों के लिए 'कॉन्वेन्शन्या', जो कि 6,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल में है, की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इसकी अन्य आकर्षक सुविधाओं में अलंकार बॉलरूम, एटिम्यून लाउंज और आउटडोर लॉन्स शामिल हैं, जहाँ कई बैठक के इन्वेंटर्स के अलावा मीटिंग्स से लेकर व्यावसायी समारोहों का आयोजन किया जा सकता है। श्री विक्रम लालवानी, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, स्टर्लिंग हॉटेल रेसोर्ट्स लिमिटेड ने कहा, +स्टर्लिंग सिटी सेटर बोकारो के लॉन्च के साथ हम झारखंड में अपनी पारी की शुरूआत कर रहे हैं। इसके खुलासे से 'ब्लेजर' (विजेस एवं लैजर) का रूप में हम अपनी पहचान और बोकारो में सहजे हैं। बोकारो शहर झारखंड के इंडस्ट्रियल हब का दिशा नियंत्रण है और यहाँ हमारा होटल इस शहर के अलावा राज्य के अन्य कई शहरों के बिजेस ट्रैवलर्स की जरूरतों को पूरा करेगा।

तीन दिवसीय फूटवॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ

नाला (जामताड़ा)(प्रभात मंत्र संवाददाता): नाला प्रखंड के टेस्जरिया पुरानापाड़ा जैम्पोरेसके फूटबॉल त्वल्क के तत्वावधान में तीन दिवसीय फूटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। टूर्नामेंट में प्रविंड बैक्ट के कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं। शुक्रवार के दिन ज्यादा पर्याप्त तारीख के बावजूद सदृश्य प्रतिनिधि नाला सोने लखेवाल हसदा मोरोज मारंडा बॉल सिंह से फोटो कार्कार टूर्नामेंट का विनियोग किया। मोरोज पर नवीन सोरेन से कहा कि तीन दिवसीय इस फूटबॉल टूर्नामेंट का 20 अक्टूबर को समाप्त होगा। विजेता तथा उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उहाँने कहा कि सभी टीम के खिलाड़ियों को शुभाकामनाएं हैं कि बढ़िया खेले और खिलाव की जीते। खिलाड़ियों का समय-समय पर ऐसे आयोजनों का अवसर दिया जाना चाहिए। केवल अपनी प्रदर्शन कर सकें। और इस खेल में एक रुपय का एंट्री फी वैज्ञानिक एवं उपर्युक्त किया जाएगा।

करमदाहा के पास वाहन दुर्घटना, दो की मौत

जामताड़ा(प्रभात मंत्र संवाददाता): प्रखंड के नारायणपुर थाना क्षेत्र के करमदाहा के समीप गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अंग गंगीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह हादसा चार पहिया मालावाहन के संतुलन लखेवाल हसदा मोरोज मारंडा बॉल सिंह से फोटो कार्कार टूर्नामेंट का विनियोग किया। मोरोज पर नवीन सोरेन से कहा कि तीन दिवसीय इस फूटबॉल टूर्नामेंट का 20 अक्टूबर को समाप्त होगा। विजेता तथा उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उहाँने कहा कि सभी टीम के खिलाड़ियों को शुभाकामनाएं हैं कि बढ़िया खेले और खिलाव की जीते। खिलाड़ियों का समय-समय पर ऐसे आयोजनों का अवसर दिया जाना चाहिए। केवल अपनी प्रदर्शन कर सकें। और इस खेल में एक रुपय का एंट्री फी वैज्ञानिक एवं उपर्युक्त किया जाएगा।

जरने गोसुतुलारा काफ़िस का महिजाम में भव्य आयोजन

जामताड़ा(प्रभात मंत्र संवाददाता): प्रखंड के नारायणपुर थाना क्षेत्र के करमदाहा के समीप गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अंग गंगीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह हादसा चार पहिया मालावाहन के संतुलन लखेवाल हसदा मोरोज मारंडा बॉल सिंह से फोटो कार्कार टूर्नामेंट का विनियोग किया। मोरोज पर नवीन सोरेन से कहा कि तीन दिवसीय इस फूटबॉल टूर्नामेंट का 20 अक्टूबर को समाप्त होगा। विजेता तथा उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उहाँने कहा कि सभी टीम के खिलाड़ियों को शुभाकामनाएं हैं कि बढ़िया खेले और खिलाव की जीते। खिलाड़ियों का समय-समय पर ऐसे आयोजनों का अवसर दिया जाना चाहिए। केवल अपनी प्रदर्शन कर सकें। और इस खेल में एक रुपय का एंट्री फी वैज्ञानिक एवं उपर्युक्त किया जाएगा।

जामताड़ा(प्रभात मंत्र संवाददाता): प्रखंड के नारायणपुर थाना क्षेत्र के करमदाहा के समीप गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अंग गंगीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह हादसा चार पहिया मालावाहन के संतुलन लखेवाल हसदा मोरोज मारंडा बॉल सिंह से फोटो कार्कार टूर्नामेंट का विनियोग किया। मोरोज पर नवीन सोरेन से कहा कि तीन दिवसीय इस फूटबॉल टूर्नामेंट का 20 अक्टूबर को समाप्त होगा। विजेता तथा उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उहाँने कहा कि सभी टीम के खिलाड़ियों को शुभाकामनाएं हैं कि बढ़िया खेले और खिलाव की जीते। खिलाड़ियों का समय-समय पर ऐसे आयोजनों का अवसर दिया जाना चाहिए। केवल अपनी प्रदर्शन कर सकें। और इस खेल में एक रुपय का एंट्री फी वैज्ञानिक एवं उपर्युक्त किया जाएगा।

जामताड़ा(प्रभात मंत्र संवाददाता): प्रखंड के नारायणपुर थाना क्षेत्र के करमदाहा के समीप गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अंग गंगीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह हादसा चार पहिया मालावाहन के संतुलन लखेवाल हसदा मोरोज मारंडा बॉल सिंह से फोटो कार्कार टूर्नामेंट का विनियोग किया। मोरोज पर नवीन सोरेन से कहा कि तीन दिवसीय इस फूटबॉल टूर्नामेंट का 20 अक्टूबर को समाप्त होगा। विजेता तथा उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उहाँने कहा कि सभी टीम के खिलाड़ियों को शुभाकामनाएं हैं कि बढ़िया खेले और खिलाव की जीते। खिलाड़ियों का समय-समय पर ऐसे आयोजनों का अवसर दिया जाना चाहिए। केवल अपनी प्रदर्शन कर सकें। और इस खेल में एक रुपय का एंट्री फी वैज्ञानिक एवं उपर्युक्त किया जाएगा।

जामताड़ा(प्रभात मंत्र संवाददाता): प्रखंड के नारायणपुर थाना क्षेत्र के करमदाहा के समीप गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अंग गंगीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह हादसा चार पहिया मालावाहन के संतुलन लखेवाल हसदा मोरोज मारंडा बॉल सिंह से फोटो कार्कार टूर्नामेंट का विनियोग किया। मोरोज पर नवीन सोरेन से कहा कि तीन दिवसीय इस फूटबॉल टूर्नामेंट का 20 अक्टूबर को समाप्त होगा। विजेता तथा उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उहाँने कहा कि सभी टीम के खिलाड़ियों को शुभाकामनाएं हैं कि बढ़िया खेले और खिलाव की जीते। खिलाड़ियों का समय-समय पर ऐसे आयोजनों का अवसर दिया जाना चाहिए। केवल अपनी प्रदर्शन कर सकें। और इस खेल में एक रुपय का एंट्री फी वैज्ञानिक एवं उपर्युक्त किया जाएगा।

जामताड़ा(प्रभात मंत्र संवाददाता): प्रखंड के नारायणपुर थाना क्षेत्र के करमदाहा के समीप गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अंग गंगीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह हादसा चार पहिया मालावाहन के संतुलन लखेवाल हसदा मोरोज मारंडा बॉल सिंह से फोटो कार्कार टूर्नामेंट का विनियोग किया। मोरोज पर नवीन सोरेन से कहा कि तीन दिवसीय इस फूटबॉल टूर्नामेंट का 20 अक्टूबर को समाप्त होगा। विजेता तथा उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उहाँने कहा कि सभी टीम के खिलाड़ियों को शुभाकामनाएं हैं कि बढ़िया खेले और खिलाव की जीते। खिलाड़ियों का समय-समय पर ऐसे आयोजनों का अवसर दिया जाना चाहिए। केवल अपनी प्रदर्शन कर सकें। और इस खेल में एक रुपय का एंट्री फी वैज्ञानिक एवं उपर्युक्त किया जाएगा।

जामताड़ा(प्रभात मंत्र संवाददाता): प्रखंड के नारायणपुर थाना क्षेत्र के करमदाहा के समीप गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अंग गंगीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह हादसा चार पहिया मालावाहन के संतुलन लखेवाल हसदा मोरोज मारंडा बॉल सिंह से फोटो कार्कार टूर्नामेंट का विनियोग किया। मोरोज पर नवीन सोरेन से कहा कि तीन दिवसीय इस फूटबॉल टूर्नामेंट का 20 अक्टूबर को समाप्त होगा। विजेता तथा उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उहाँने कहा कि सभी टीम के ख

